University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

PIONEER PAGE 3

यूनिवर्सिटी का मुख्य फोकस नालेज फार क्रिएशन होना चाहिए: प्रो. आलोक राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय का बुधवार को एक वर्ष का कार्यकाल पूरा हो रहा है। अपने एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान प्रो राय ने विवि में कई अभिनव प्रयोग किये, जिनका कुछ असर अभी देखने को मिल रहा है बाकी 2021 के दौरान देखने को मिलेगा। इनमें प्रमुख रूप से कोर्स कंटेंट, ऑनलाइन पढ़ाई के लिए स्लेट एप, स्टूडेंट्स ओपीडी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन में विकल्प आधारित चयन प्रणाली सीबीसीएस के अंतर्गत क्रेडिट ट्रांसफर योजना, बहु विषयी शिक्षण, अंतरानुशासनिक शोध संस्थान एवं केंद्र, पाठ्यक्रम में मूल्य आधारित कोर्स का समावेश, साहित्यिक विषयों में बाध्यता मूलक प्रयोगात्मक विषयों का प्रवेश, कौशल प्रशिक्षण आदि प्रमुख छात्र केंद्रित एकीकृत कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया गया है। ऐसे में एक वर्ष के कार्यकाल को लेकर पायनियर ने विवि के कुलपति प्रो राय से एक संक्षिप्त मुलाकात की। पेश हैं बातचीत के कुछ अंश।

● एक वर्ष के कार्यकाल में आपने कई अभिनव प्रयोग किये हैं, आगे भी कुछ सोचा होगा

एक वर्ष के कार्यकाल में कई नई शुरुआत की गई हैं। एकेडमिक, एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस सभी को लेकर कदम उठाए गए हैं, जिनका असर नया साल से पूरी तौर पर दिखने लगेगा। कुछ और भी हैं, जिनके बारे में समय पर बताया जाएगा।

● यूनिवर्सिटी का मुख्य फोकस क्या होना चाहिए

यूनिवर्सिटी का मुख्य फोकस नालेज फार क्रिएशन होना चाहिए। यूनिवर्सिटी के मूल में स्टूडेंट्स होता है। इसलिए कोर्स कंटेंट के साथ कई सुधार किए गए।

● नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर क्या कहेंगे

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जब लागू भी नहीं हुई थी उसी समय ड्राफ्ट के आधार पर यूनिवर्सिटी ने काफी चीजों को लागू कर दिया था। इस मामले में हम सबसे आगे हैं।

● कई विभाग ऐसे हैं, जहां कई वर्षों से प्रमोशन नहीं हुए हैं

यह बात सही है, इसको हमने सलेक्शन कमेटी के माध्यम से मंगलवार को ही फाइनल किया है। तकरीबन 53 फैकल्टी थी, जिनका प्रमोशन 10 साल से लेकर 15 साल से रुका हुआ था। सभी का कर दिया गया है। शिक्षक मोटीवेट नही होंगे तो उनसे कैसे शिक्षा का स्तर उठाने के लिए किस आधार पर प्रेरित किया जाएगा।

● कार्यभार संभालने के दौरान क्या समस्या दिखी

जब कार्यभार संभाला था, उस समय यूनिवर्सिटी में एलएलबी के पेपर आउट, चेक क्लोर्निंग के माध्यम से डेढ़ करोड़ पैसे निकालने के साथ ही फर्जी मार्कशीट जैसे प्रमुख मुद्दे थे। महिला शिक्षिकाओं के लिए प्रसाधन की उचित व्यवस्था नही थी। अब सब कुछ सही हो गया है। पेपर आउट का प्रकरण भी खत्म हो गया, बैंक ने पैसे भी दे दिए, फर्जी मार्कशीट में कार्रवाई चल रही है।

● शिक्षकों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था को किस रूप में लेते हैं

व्यवस्था में ट्रांसपेरेंसी रहेगी तो कोई दिक्कत नही आएगी। विवि की वेबसाइट पर पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करने होते हैं। पहले साफ्टवेयर स्क्रीनिंग करता है, फिर सम्बंधित विभाग स्तर पर 3 सदस्यीय टीम स्क्रीनिंग करती है। उसके बाद रजिस्ट्रार और आइक्यूएसी सेल करती है। ऐसे में गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं रहती है। साक्षात्कार के लिए ही आवेदनकर्ता को आना पड़ता है। अगर कोई विदेश से कर रहा है तो उसके लिए ऑनलाइन साक्षात्कार की भी व्यवस्था है।

● यूनिवर्सिटी में यूट्यूब चैनल को लेकर क्या कहेंगे

10 माह से सवा दो करोड़ का हिट है वेबसाइट पर। अलग अलग प्लेटफार्म के लिए केवल बज क्रिएट किया गया। आज 14000 से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। एड भी आ रहे हैं।

● बड़े कालेजों को डिजिटल प्लेटफार्म पर लाने की कोई व्यवस्था

वर्तमान सरकार की तरफ से बनाये गए पोर्टल पर सभी कालेज सम्बद्ध हैं। उस पोर्टल का लिंक विवि की वेबसाइट से है। आने वाले समय मे और सुधार किया जाएगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शोध प्रोत्साहन के लिए शिक्षकों का सम्मान आज

लखनऊ। लविवि में बुधवार को शोध को प्रोत्साहन देने वाली तीन योजनाओं के लाभार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर तीन बजे मालवीय सभागार में होगा।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति ने अनुसंधान संवर्धन योजनाओं के तहत विवि के विशिष्ट आचार्यों और शोधकर्ताओं को सम्मानित करने की योजना लागू की हैं। पहली योजना एक्लेम है। इसमें पिछले पांच वर्षों में शैक्षणिक और अनुसंधान उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 15 संकाय सदस्यों को यह पुरस्कार दिया जाएगा। इस पुरस्कार में सम्मान पत्र, पदक और 5000 रुपये का पुरस्कार शामिल है। दूसरी योजना प्रोत्साहन है। इसमें नूतन परियोजना विचारों को शुरू करने और शोधकार्य के लिए बीज अनुदान के रूप में 12 संकाय सदस्यों को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस पुरस्कार में 20 हजार रुपये के अनुदान के साथ एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा। तीसरी योजना उद्दीपन है। यह पुरस्कार आचार्यों और शोधकर्ताओं को दिया जाएगा। पुरस्कार में 1100 रुपये का नकद पुरस्कार आचार्यों के लिए और 1100 रुपये शोधार्थियों के लिए एक प्रमाण पत्र के साथ शामिल है।

लविवि के छात्र अब करा सकेंगे चुनौती मूल्यांकन

माई सिटी रिपोर्टर

दावा सही मिलने पर बढ़ेंगे अंक, संबंधित शिक्षक पर होगी कार्रवाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कम अंक मिलने की शिकायत करने वाले विद्यार्थी अब चुनौती मूल्यांकन करा सकेंगे। विद्यार्थी का दावा सही मिलने पर न सिर्फ उसके अंक बढ़ जाएंगे बल्कि संबंधित शिक्षक पर कार्रवाई भी होगी। लविवि में गंभीरता बनी हुई परीक्षा समिति की बैठक में इस पर मुहर लगी। बैठक में इसके साथ ही स्नातक परीक्षा एमसीक्यू प्रणाली पर और बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएएमएस, बीयूएमएस, एलएलएम, एमबीए एवं अन्य प्रोफेसनल डिप्लोमा की परीक्षाएं भी पूर्व की भांति थ्योरी प्रणाली पर कराने की सहमति बनी।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि राजभवन के निर्देश के बाद चुनौती मूल्यांकन की सुविधा शुरू की जाएगी। कई बार विद्यार्थी चुनौती मूल्यांकन की मांग करते हैं, पर अभी तक इसकी व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में विद्यार्थियों के पास सिर्फ आरटीआई से कॉपी देखने और इम्प्रूवमेंट के लिए आवेदन करने का ही विकल्प रहता था। अब ऐसा नहीं होगा। विद्यार्थी चुनौती मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद उत्तर पुस्तिका का दोबारा मूल्यांकन किया जाएगा। अगर विद्यार्थी की उत्तर पुस्तिका में पहले के मुकाबले 20 फीसदी से ज्यादा अंतर आता है तो फिर विद्यार्थी के नंबर बढ़ाये जाएंगे। इसके साथ ही कॉपी जांचने वाले शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बैठक की।

विभागीय स्तर से होंगी पीजी की परीक्षाएं

परीक्षा समिति ने तय किया कि स्नातक की परीक्षाएं एमसीक्यू पद्धति से करायी जाएं। इसके साथ ही परास्नातक की परीक्षा विभागीय स्तर पर एमसीक्यू पद्धति से कराई जाए। वहीं बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएएमएस, बीयूएमएस, एलएलएम, एमबीए एवं अन्य प्रोफेसनल डिप्लोमा की परीक्षाएं पूर्व की भांति थ्योरी प्रणाली पर कराए जाएंगे। परीक्षाएं जनवरी के अंतिम सप्ताह से प्रारंभ हो सकती हैं।

i-NEXT PAGE 2

पेपर लीक, खाते से पैसा गायब होना मेरे लिए चुनौती : प्रो. राय

वीसी ने अपने एक साल के कार्यकाल पूरे होने पर गिनाई अपनी प्राथमिकता

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (29 Dec): मेरे एक साल के कार्यकाल में कोरोना काल भी जुड़ गया है. यह मेरे लिए काफी चुनौती पूर्ण साबित हुआ. हालांकि मेरे यूनिवर्सिटी में पदभार ग्रहण करते ही तीन बड़े मुद्दे काफी चुनौतीपूर्ण बन गए थे. इनका निस्तारण मेरी प्राथमिकता रही थी. इसमें पहला मुद्दा लॉ पेपर लीक कांड, दूसरा एलयू के खाते से करीब 1.5 करोड़ रुपये निकल जाना, तीसरा फर्जी मार्कशीट का मामला. इसके अलावा यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स मेरी पहली प्राथमिकता हैं जिन पर अगले दो साल कार्य किया जाएगा. ये बातें एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल पूरा होने के दौरान कही.

● प्रो.आलोक कुमार राय.

टॉयलेट न होना बड़ी समस्या

जब मैं यहां आया तो उस दौरान महिला कर्मचारियों, महिला शिक्षक के जल्दी घर निकल जाने और छात्राओं के क्लास छोड़ कर निकल जाने का मामला संज्ञान में आया. इसकी वजह वीमेन टॉयलेट की हालत बदतर होना बताया गया. हालांकि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने इस समस्या को दूर करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की, जिससे यह समस्या दूर की हो सकी है. किसी यूनिवर्सिटी में पहली बार कुलाधिपति ने टॉयलेट के लिए पैसे दिये.

अब मूर्त रूप देने की बारी

प्रो. राय ने बताया कि पिछले एक साल में कोरोना के चलते स्लेट जैसी तमाम योजना पर कार्य शुरू किया गया. इस पर पूरे एक साल का ट्रायल लिया गया. अब यह योजनाएं मूर्त रूप ले सकें, यह हमारी प्राथमिकता है. इस पर अगले एक साल में अधिक कार्य करना होगा. साथ ही स्टूडेंट्स की पढ़ाई को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जाए, इस पर काम होगा. इसके लिए यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के कंटेंट में और अधिक सुधार भी किया जाएगा.

शिक्षकों का मोटिवेश है जरूरी

प्रो. राय ने कहा कि यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स की पढ़ाई के साथ साथ शिक्षकों के मोटिवेशन की भी काफी आवश्यकता होती है. इस पर यूनिवर्सिटी कार्य कर रहा है. इसी क्रम में मंगलवार को सेलेक्शन कमेटी की बैठक की गई, जिसमें सभी फैकेल्टी के 53 शिक्षकों के प्रमोशन किए गए. इसमें अधिकांश प्रमोशन उन शिक्षकों के हुए हैं जिनके प्रमोशन पिछले 15 वर्षों से लंबित थे.

जनवरी से एलयू सेमेस्टर एग्जाम

LUCKNOW (29 Dec, inext): एलयू में आने वाले दिनों में यूजी के एग्जाम मल्टीपल च्वाइस क्वेचन (एससीक्यू) आधारित होंगे जबकि पीजी के एग्जाम विभाग स्तर पर होंगे. एग्जाम जनवरी के लास्ट से शुरू करने की बात यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कही है. यूनिवर्सिटी वीसी प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित परीक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया. पीजी के एग्जाम डिपार्टमेंट लेवल पर एमसीक्यू पद्धति से होंगे. बैठक में बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएएमएस, बीयूएमएस, एलएलएम, एमबीए के एग्जाम पूर्व की तरह थ्योरी आधारित होंगे.

एमसीक्यू प्रणाली से होंगे सेमेस्टर एग्जाम, चैलेंज इवैल्यूयेशन प्रक्रिया का नियम हुआ लागू

चैलेंज इवैल्यूयेशन के लिए स्टूडेंट्स को जमा करने होंगे 2500 रुपये प्रति पेपर

एमसीक्यू आधारित ही होंगे यूजी और पीजी के पेपर

एलएलबी में फेल छात्रों के बैकपेपर के एग्जाम भी एमसीक्यू आधारित ही होंगे जबकि पूर्व में थ्योरी आधारित कराने का मामला सामने आ रहा था. बैठक में मसले पर विचार किया गया, जिसमें देखा गया कि जो स्टूडेंट्स पास आउट हो चुके हैं या जिनके कम अंक आये हैं वो कोर्ट जा सकते हैं. इसलिए एमसीक्यू ही रहने दिया जाये.

स्टूडेंट्स ऐसे कर सकते हैं चैलेंज इवैल्यूएशन

चैलेंज इवैल्यूएशन के लिए आरटीआई का शुल्क 300 रुपये रखा गया है. इसमें 30 दिन के अंदर स्टूडेंट्स को ऑनलाइन स्कैन कॉपी उपलब्ध कराई जाएगी. यदि कॉपी देखने के बाद स्टूडेंट्स इवैल्यूएशन से संतुष्ट नहीं है तो वह इवैल्यूएशन का शुल्क 2500 जमा कर चैलेंज कर सकता है. इवैल्यूएशन चैलेंज होने पर संबंधित विभाग प्रमुख चार सदस्यों की कमेटी का नाम कुलपति को भेजेंगे. इनमें दो के नाम पर वीसी का अप्रूवल होगा. अप्रूवल के बाद पूर्व में प्राप्त अंकों को छिपा कर मूल्यांकन कराया जाएगा. मूल्यांकन के बाद दोनों नंबरों का आंकलन किया जाएगा. यदि स्टूडेंट्स के नंबर बढ़ते हैं तो जमा 2500 रुपये शुल्क में से 1000 रुपये वापस कर दिए जाएंगे.

CONCEPT PIC

अब डेढ़ घंटे का होगा सेमेस्टर एग्जाम

परीक्षा समिति के निर्णय के अनुसार आगामी वर्ष में होने वाले पहले, तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के एग्जाम एसीक्यू प्रणाली से होंगे. हालांकि इन एग्जाम की समयावधि में फेरबदल कर दिया गया है. पहले यह एग्जाम एक घंटे के होते थे अब ये डेढ़ घंटे का होगा. सत्र ही पीजी के कुछ विषयों के एग्जाम निश्चित प्रक्रिया से ही होंगे. इन विषयों की सूची जल्दी ही यूनिवर्सिटी प्रशासन जारी करेगा. इसके अलावा जिन विषयों के प्रैक्टिकल हैं, वह फरवरी में होगा.

पदोन्नत बनने का छिन सकता है अधिकार

चैलेंज इवैल्यूवेशन की प्रक्रिया के दौरान अगर 20 प्रतिशत से अधिक मूल्यांकन में अंतर पाया गया तो पहले मामले में परीक्षक को चेतावनी नोटिस जारी की जाएगी. इसके बाद अगर उसी एग्जाम के तीन ऐसे मामले सामने आते हैं तो उसका कॉपी चेकिंग का भुगतान रोक दिया जाएगा अथवा नहीं दिया जाएगा. वहीं अगर एक ही परीक्षक के पांच से अधिक मामले पकड़ में आते हैं तो उसको अगले दो साल तक परीक्षक ही नहीं बनाया जाएगा. कुछ इस तरह के नियम पर एलयू प्रशासन ने परीक्षा समिति में मोहर लगाई है. हालांकि इस प्रक्रिया का तुलआवा अध्यक्ष व परीक्षा समिति के सदस्य डॉ. मनोज पांडेय ने कमेटी कक्ष में विरोध करते हुए कहा कि ऐसे में वे शिक्षक पिसेंगे जो कहाई से कॉपी चेक करते हैं या फिर वे शिक्षक जो डील देकर कॉपियों की चेकिंग करते हैं. ऐसे में मेरा मानना है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से गलत है और मूल्यांकन में अंतर आने के औसत प्रतिशत को बढ़ाकर 30 प्रतिशत करना चाहिए, वहीं लूटा के महामंत्री डॉ. विनीत वर्मा का ये कहना है कि हर एग्जाम का अपना मूल्यांकन का तरीका होता है. ऐसे में मानमें में जो 20 फीसदी का अंतर रखा गया है उसे 30 में 35 करना चाहिए. साथ ही यह जो दंड देने की मंशा से पूरी प्रक्रिया बनाई है इसे बदला जाना चाहिए.

आर्ट कॉलेज में हॉस्टल के लिए आवेदन 15 तक

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (29 Dec): आर्ट कॉलेज में हॉस्टल के लिए अब 15 जनवरी तक आवेदन किए जा सकते हैं. कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविकांत पाण्डेय ने बताया कि कॉलेज में हॉस्टल आवंटन की प्रक्रिया जारी है. अभी तक सिर्फ 10 पूर्व छात्रों को कमरे अलॉट हो पाए हैं. साथ ही उन्होंने बताया कि आगामी साल में कुछ महीनों तक करीब 11 कमरे स्टूडेंट्स को आवंटित नहीं किए जा सकेंगे, क्योंकि उन कमरों में जल्दी ही मरम्मत का कार्य जारी होने वाला है. डॉ. पाण्डेय ने जानकारी दी कि हॉस्टल में मौजूदा समय में केवल 36 कमरे हैं जिनमें से सिर्फ 25 कमरे स्टूडेंट्स को अवंटित किए जाएंगे.

JAGRAN CITY PAGE II

पीजी में सीटें आवंटन को तीसरी लिस्ट जारी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (29 Dec): एलयू में पीजी में सीट आवंटन की तीसरी मेरिट लिस्ट स्टूडेंट्स के लॉगइन पर उपलब्ध है, जिन्हें सीटें आवंटित की गई हैं, वह अपनी फीस अनलॉक पोर्टल पर जमा कर सकते हैं. फीस भुगतान की लास्ट डेट एक जनवरी है. सीटों को योग्यता, पसंद और उपलब्धता के आधार पर आवंटन किया जा रहा है. जिन उम्मीदवारों को सीटें आवंटित की गई हैं, उन्हें शुल्क जमा करने की अनुमति दी गई है.

इनका आया आवंटन परिणाम

एलएलबी, एलएलएम, एमए अर्थशास्त्र, शिक्षा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, पब्लिक हेल्थ, समाज कार्य, एमकॉम बिजनेस, एमएससी वनस्पति विज्ञान, जीव रसायन, जैव प्रोद्योगिकी, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, भूगर्भ विज्ञान कीटाणु-विज्ञान, फार्मास्युटिकल, रसायन शास्त्र, भौतिक विज्ञान

पहले ट्रेनिंग, फिर मिलेगी डिग्री

लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में अगले सत्र से नई व्यवस्था

जागरण संवाददाता, लखनऊ : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों को परास्नातक और पीएचडी की तरह स्नातक में भी कुछ समय की संबंधित विषय में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी पड़ेगी। छात्र अगर किसी भाषा के विषय की पढ़ाई कर रहे हैं, तो उनको किसी पब्लिकेशन हाउस में ट्रेनिंग करनी होगी। इसी तरह से जो भी विषय स्नातक में पढ़ रहे होंगे, उनका प्रशिक्षण तय समय के लिए जरूरी हो जाएगा। इस प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद ही डिग्री मिल सकेगी।

नई शिक्षा नीति के तहत लविवि की शिक्षण व्यवस्था में बदलाव तेजी से किया जा रहा है। जिसके तहत स्नातक में की गई पढ़ाई के जमीनी उपयोग को लेकर एक से तीन महीने की ट्रेनिंग करवाई जाएगी। जो कि विद्यार्थियों को अलग-अलग संस्थान में करनी होगी। जिसके जरिये उनको जरूरी जानकारियां मिल सकेंगी। ताकि बाद में उनके लिए रोजगार पाना आसान हो जाए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी तक प्रोफेशनल कोर्सों में इंटर्नशिप होती है, जिसमें किसी संस्थान में विद्यार्थी एक से तीन महीने की ट्रेनिंग लेता है। इसके जरिये वह क्षेत्र की मूलभूत जानकारियों को पाता है। इसी तरह से अब हम स्नातक, परास्नातक और पीएचडी में भी ट्रेनिंग करवाएंगे। इतिहास के विद्यार्थियों को एएसआइ, भाषा से जुड़े विद्यार्थियों को किसी प्रकाशन केंद्र और अन्य विषयों को इसी हिसाब से अलग-अलग जगह ट्रेनिंग करनी पड़ेगी।

लविवि के रिसर्च स्कॉलर्स का सम्मान आज : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न अनुसंधान संवर्धन योजनाओं के तहत विवि के विशिष्ट संकायों और रिसर्च स्कॉलरों को बुधवार को मालवीय सभागार में सम्मानित किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में उत्कृष्ट शैक्षणिक और अनुसंधान उपलब्धियों के लिए 15 प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों को प्रशंसा पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें सम्मान पत्र, पदक और नकद पुरस्कार शामिल हैं। वहीं, उपन्यास परियोजना विचारों को शुरू करने और तलाशने के लिए अनुदान के रूप में 12 संकाय सदस्यों को वित्तीय सहायता के रूप में प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाएगा। इसमें एक प्रमाण पत्र के साथ 20 हजार का परियोजना अनुदान मिलेगा। इसके अलावा संकायों और अनुसंधान विद्वानों को उद्दीपन पुरस्कार दिया जाएगा। इसमें संकायों के लिए प्रति वर्ष 1100 और रुपये एक प्रमाण पत्र के साथ, अनुसंधान विद्वानों के लिए प्रति वर्ष 1100 रुपये प्रति पेपर दिया जाएगा।

परास्नातक में सीटों के आवंटन का तीसरा परिणाम घोषित

जासं, लखनऊ : लविवि में परास्नातक में सीट आवंटन का तीसरा परिणाम अभ्यर्थियों के लॉगइन पर अब उपलब्ध है। जिन्हें सीटें आवंटित की गई हैं, वे अपनी फीस अनलॉक पोर्टल पर जमा कर सकते हैं। शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि एक जनवरी है।

इन विषयों में आया आवंटन परिणाम: एलएलबी, एलएलएम, एमए अर्थशास्त्र, शिक्षा, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, पब्लिक हेल्थ, समाज कार्य, एमकॉम बिजनेस, एमएससी वनस्पति विज्ञान, जीव रसायन, जैव प्रोद्योगिकी, रसायन विज्ञान, कंप्यूटर साइंस, भूगर्भ विज्ञान कीटाणु-विज्ञान, फार्मास्युटिकल, रसायन शास्त्र, भौतिक विज्ञान, पादप विज्ञान, एमएससी और एमए गणित, मास्टर्स इन विजुअल आर्ट (एलाइड आर्ट) विजुअलाइजेशन (एलाइड आर्ट), फोटोग्राफी (एलाइड आर्ट), चित्रण (पेंटिंग), लैंडस्केप (पेंटिंग), प्रिंटमेकिंग (पेंटिंग), क्रिएटिव (पेंटिंग), एमवीए (पेंटिंग), पोर्ट्रेट (पेंटिंग), सिरेमिक एमवीए (मूर्तिकला), पोर्ट्रेट एमवीए (मूर्तिकला), स्टोन नक्काशी, एमपीएड, बीपीएड व एमएड।

NBT PAGE 4

एलयू की परीक्षा समिति ने चैलेंज इवैल्युएशन प्रक्रिया पर लगाई मुहर

नंबर से नाखुश तो दोबारा करवा सकेंगे कॉपी चेकिंग

■ एलयूसिटी, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब कॉपियों की फिर से चेकिंग करवा सकेंगे। इसके लिए एलयू की परीक्षा समिति ने मंगलवार को चैलेंज इवैल्यूएशन प्रक्रिया पर मुहर लगा दी। इसके तहत सलेक्शन एक्सपर्ट की कमिटी कॉपी का रि-इवैल्यूएशन करेगी। इस दौरान अंकों में 20% से ज्यादा अंतर मिला तो नई मार्कशीट जारी होगी। इसके साथ इनकी स्क्रूटनी भी बढ़ाई गई है। अब ये परीक्षाएं एक के बजाय डेढ़ घंटे की होंगी।

सेमेस्टर परीक्षा में एमसीक्यू

परीक्षा समिति ने फैसला किया है कि जनवरी-फरवरी में होने वाली पहले, तीसरे और पांचवे सेमेस्टर की परीक्षाएं एमसीक्यू मल्टीपल चॉइस कोश्चन) प्रणाली से होंगी। इसके साथ इनकी स्क्रूटनी भी बढ़ाई गई है। अब ये परीक्षाएं एक के बजाय डेढ़ घंटे की होंगी।

लॉ के बैक पेपर में भी एमसीक्यू

बीते महीने बड़ी संख्या में लॉ पाइनल इयर के स्टूडेंट्स का फेल होने का प्रकरण सामने आया था। इस पर स्टूडेंट्स ने हंगामा भी किया था। उनका आरोप था कि एमसीक्यू प्रणाली से परीक्षा होने के कारण कई स्टूडेंट फेल हो गए। ऐसे में एलयू प्रशासन ने संज्ञान ले कर थ्योरिटिकल परीक्षा कराने का फैसला किया है, हालांकि यह परीक्षा भी एमसीक्यू प्रणाली पर होगी।

कई कोर्सों में होगी लिखित परीक्षा

परीक्षा समिति के फैसले के मुताबिक, बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएएमएस, बीयूएमएस, एलएलएम, एमबीए एवं अन्य प्रोफेसनल डिप्लोमा की परीक्षाएं पहले की तरह लिखित पेटर्न पर ही होंगी। वहीं, प्रैक्टिकल परीक्षाएं फरवरी में होंगी।

छिन सकता है परीक्षक बनने का अधिकार

चैलेंज इवैल्यूएशन में अंकों में 20% से ज्यादा का अंतर आने पर परीक्षक को नोटकानी नोटिस दिया जाएगा। किसी के खिलाफ एक ही परीक्षा के तीन ऐसे मामले सामने आने पर मूल्यांकन का भुगतान रोक दिया जाएगा। पांच से ज्यादा मामले सामने आए तो अगले दो साल तक परीक्षक नहीं बनाया जाएगा।

कई सदस्यों ने कार्रवाई के नियम पर जताया विरोध

लुआवटा अध्यक्ष व परीक्षा समिति के सदस्य डॉ. मनोज पाण्डेय ने चैलेंज इवैल्यूएशन के चेंजस अंकों में 20% का अंतर आने पर परीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई के फैसले का विरोध किया है। लूटा के महामंत्री डॉ. विनीत वर्मा ने कहा कि हर परीक्षा के मूल्यांकन का अलग तरीका होता है। ऐसे में अंकों में अंतर का दायरा बढ़ाकर 30% से 35% किया जाए।

THE PIONEER PAGE 3

LU to conduct exams in MCQs format

Lucknow (PNS): Lucknow University will hold the examinations of graduate students in multiple-choice questions (MCQs) format. This decision was taken at the examination committee meeting held on Tuesday under Vice-Chancellor Prof AK Rai. It was also decided that for PG students, the examinations would be held at departmental level in MCQ format. LU spokesperson Durgesh Srivastava said the examinations for BEd, Med, BPEd, MPEd, BAMS, BUMS, LLM, MVA and other professional diploma courses would be held in regular manner in the last week of January.

He said LU would felicitating teachers under various research projects, including ACCLAIM, PROTSAHAN and UDDEEPAN.

TOI PAGE 3

LUCKNOW UNIVERSITY

It was LU's biggest year as the university turned 100. In addition, its area of jurisdiction expanded from Lucknow to four more districts – Rae Bareli, Sitapur, Lakhimpur Kheri and Hardoi. The number of colleges affiliated to it will now increase to 361 — 180 in Lucknow and 181 in the four districts. More colleges would mean extra revenue for LU which has been facing financial crisis for a long time. However, it has come with the Herculean challenge of maintaining vigil and quality so that LU's brand value is not diluted. The year also saw LU getting four new centres of excellence – Happy Thinking Lab; Institute of Hydrocarbon; Institute of Food Processing and Technology; and Kalam Centre for Innovation – for research and innovations in a variety of areas, from psychology to food toxicology and from oil exploration to new engineering discoveries. In 2020, LU also became the first in the country to launch its own virtual classroom application – SLATE - with a copyright. Moreover, LU and all its departments also launched their YouTube channels.

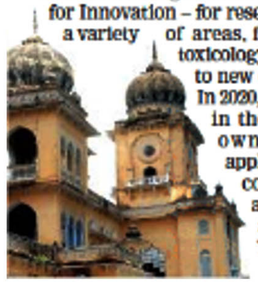

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि : पीजी दाखिले की तीसरी सूची जारी

एक जनवरी तक जमा करना होगा शुल्क

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने मंगलवार को परास्नातक सीट के अपग्रेडेशन और दाखिले की तीसरी आवंटन सूची मंगलवार को जारी कर दी। आवंटन परिणाम अभ्यर्थी के लॉग इन पर उपलब्ध है। जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित की गई है, वे अपनी फीस अनलॉक पोर्टल पर जमा कर सकते हैं। शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि एक जनवरी है।

इन विषयों का जारी हुआ अपग्रेडेशन और आवंटन परिणाम : एलएलबी, एलएलएम, एमए अर्थशास्त्र, एमए शिक्षा, एमए राजनीति विज्ञान, एमए मनोविज्ञान, एमए सोशियोलॉजी, एमए पत्रकारिता और जनसंचार, एमए पब्लिक हेल्थ (कम्युनिटी मेडिसिन), एमए सोशल वर्क, एमकॉम कॉमर्स, एमएससी बायो केमिस्ट्री, एमएससी बायो टेक्नोलॉजी, एमएससी बॉटनी, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी जियोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, एमएससी फिजिक्स, एमएससी प्लांट साइंस, एमएससी रिन्यूएबल एनर्जी, एमएससी जूलॉजी, एमए/ एमएससी गणित, एमवीए (एप्लाइड आर्ट) विजुअलाइजेशन, एमवीए (एप्लाइड आर्ट) फोटोग्राफी, एमवीए (एप्लाइड आर्ट) इलस्ट्रेशन एमवीए (पेंटिंग) लैंडस्केप पेंटिंग, एमवीए (पेंटिंग) प्रिंटमेकिंग, एमवीए (पेंटिंग) क्रिएटिव पेंटिंग, एमवीए (पेंटिंग) पोर्ट्रेट पेंटिंग, एमवीए (पेंटिंग) सिरेमिक्स, एमवीए (स्कल्पचर) पोर्ट्रेट एंड लाइफ, एमवीए (स्कल्पचर) स्टोन कार्विंग, एमपीएड, बीपीएड, एमएड।

इन विषयों में जमा होगी सीट कन्फर्मेशन फीस

बीलिव, एमए एआईएच और पुरातत्व, एमए एंथ्रोपोलॉजी, एमए अरब कल्चर, एमए अरबी, एमए कंपोजिट हिस्ट्री, एमए क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन, एमए डिफेंस स्टडीज, एमए इंगलिश, एमए भूगोल, एमए हिंदी, एमए ह्यूमन कांशसनेस एंड यौगिक साइंसेज, एमए ज्योतिर्विज्ञान, एमए भाषा विज्ञान, एमए मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास, एमए फारसी, एमए फिलॉसफी, एमए पॉपुलेशन स्टडीज, एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमए पब्लिक हेल्थ, एमए संस्कृत, एमए उर्दू, एमए हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमए/एमएससी स्टेटिस्टिक्स, एमए/एमएससी योग, एमए/एमएससी फॉरेंसिक साइंस, एमकॉम एप्लायड इकनॉमिक्स, एमलिब, एमएससी एप्लायड जियोलॉजी, एमएससी बायो स्टेटिस्टिक्स, एमएससी एन्वायरनमेंटल साइंस, एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी।

आज सम्मानित होंगे शोधार्थी

एलएलबी, एलएलएम सीट आवंटन परिणाम जारी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि ने मंगलवार को एलएलएम, एमए, एलएलबी के विषयों का अपग्रेडेशन और तीसरा आवंटन परिणाम जारी कर दिया है। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परिणाम अभ्यर्